प्रतिस्थापन के लिए क्षतिपूर्ति बंधपत्र

(10 रुपए के गैर-न्यायिक स्टांप पेपर पर निष्पादित किया जाए और प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट द्वारा अनुप्रमाणित किया जाए)।

यह क्षतिपूर्ति बाण्ड श्री/श्रीमती/कुमारी_____
पुत्र/पत्नी/विधवा/पुत्री _____ निवासी
_____द्वारा_____की तारीख
_____ को निष्पादित किया गया है।

(यहां इसमें इसके बाद निष्पादी कहा गया है जिसमें, भारत के राष्ट्रपति, जिसके इसके बाद पट्टाधारी कहा गया है, (जिसमें उसके वारिस, अनुवर्ती, निष्पादक, प्रशासक और कानूनी समनुदेशित शामिल होंगे) के पक्ष में (उसके परिवर्ती, निष्पादक, प्रशासक और कानूनी समनुदेशित शामिल होंगे)।

जबकि निष्पादी ब्लॉक नं. _____ पॉकेट नं.
_____ अथवा _____ में भूखण्ड सं.
_____ का वास्तविक अधिवासी पट्टाधारी/उप-पट्टाधारी/आवंटी है।

या

जबकि निष्पादी श्री/श्रीमती/कुमारी _____ पुत्र/पत्नी/विधवा/पुत्री श्री _____ का/की विधिवत बनाया गया/बनाई गई अटार्नी है और पट्टाधारी/उप-पट्टाधारी/आवंटी की ओर से बिक्री की मांग, बिक्री विलेख निष्पादित करने और इसे पंजीकृत कराने के लिए सक्षम है।

और जबकि कथित संपत्ति के पट्टाधारी की_____ को मृत्यु हो गई है और उसके निम्नलिखित कानूनी वारिस हैं:-

क्र.सं.	कानूनी वारिस का नाम	आयु	मृत पट्टाधारी के साथ संबंध

और जबकि मृत पट्टाधारी ने संपत्ति की निष्पादी के नाम में वसीयत करते हुए दिनांक _____ को वसीयत की जो उप-पंजीयक दिल्ली/नई दिल्ली के पास अतिरिक्त बुक सं _____ खण्ड सं. _____ में पृष्ठ सं. _____ से_____ तक पंजीकृत है।

और जबकि मृत पट्टाधारी के अन्य कानूनी वारिस(सों) ने इस आशय का (के) शपथ-पत्र प्रस्तुत किया है/ किए हैं कि उसे/उन्हें पट्टाधारी द्वारा ऊपर संदर्भित वसीयत के आधार पर निष्पादी के पक्ष में संपत्ति के दाखिल-ख़ारिज पर कोई आपत्ति नहीं है।

और जबकि निष्पादी ने पट्टाधारक के पास ऊपर संदर्भित 'वसीयत' के आधार पर पट्टाधारी के अधिकारों, हितों और मालिकाना हक के दाखिल-ख़ारिज का अभ्यावेदन दिया है।

और जबकि पट्टाधारक इस शर्त के अध्यधीन निष्पादी के पक्ष में पट्टाधारी के अधिकारों, मालिकाना हक और हितों का दाखिल-ख़ारिज करने को सहमत है कि निष्पादी, पट्टाधारी के पक्ष में पट्टाधारक को ऐसे किसी भी संभावित नुकसान अथवा हर्जाने की क्षतिपूर्ति करने अथवा निष्पादीके पक्ष में संपत्ति का दाखिल-ख़ारिज करने के कारण इसके खिलाफ होने वाली कार्रवाई के लिए पंजीकृत क्षतिपूर्ति बंधपत्र का निष्पादन करे।

अत:, अब उल्लिखित करार के मद्देनजर, निष्पादी एततद्वारा पट्टाधारक को हमेशा ऐसे किसी भी नुकसान अथवा हर्जाने की क्षतिपूर्ति करेगा जो मृत पट्टाधारी के लीजहोल्ड अधिकारों के निष्पादी के पक्ष में दाखिल-ख़ारिज करने से हो सकता है, अथवा ऐसे किसी दावे, मुकदमेबाजी की प्रक्रियाओं, शास्ति या कार्रवाई से हानिरहित रखेगा जो लीजहोल्ड अधिकारों के पट्टाधारक द्वारा निष्पादी के पक्ष में दाखिल-ख़ारिज के कारण अथवा इसके संबंध में पट्टाधारक के खिलाफ की जाएं सकती है अथवा उसके खिलाफ की जाएं।

जिनके समक्ष श्री/श्रीमती/कुमारी _____ पुत्र/पुत्री/ /पत्नी/विधवा _____

ने तारीख_____ को इस बाण्ड पर हस्ताक्षर किए और इसे प्रदान किया।

निष्पादी

गवाह:-